वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 341 | सोमवार 10 अप्रैल 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन करेंगे पायलट

मीडिया को गहलोत के बयान दिखाए, बोले-वसुंधरा पर एक्शन नहीं लिया, लोग सोचेंगे मिलीभगत तो नहीं

जयपुर. कासं

राजस्थान में सचिन पायलट ने एक बार फिर अपनी ही पार्टी की सरकार पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पायलट ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। उन्होंने कहा, ''मैंने मुख्यमंत्री गहलोत से पूर्व उट वसुंधरा राजे के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन गहलोत ने कोई एक्शन नहीं लिया।'' पायलट इसके विरोध में 11 अप्रैल को जयपुर में शहीद स्मारक पर एक दिन का अनशन करेंगे। उधर, सचिन पायलट के अनशन की घोषणा के बाद कांग्रेस महासचिव और संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने बयान जारी कर सीएम अशोक गहलोत की तारीफ की है। पायलट ने कहा, ''वसुंधरा सरकार में हुए भ्रष्टाचार पर कार्रवाई नहीं की गई। जबकि विपक्ष में रहते हुए हमने यह वादा किया था कि जांच कराई जाएगी। चुनाव को 6-7 महीने बचे हैं, विरोधी भ्रम फैला सकते हैं कि कहीं कोई मिलीभगत तो नहीं है, यह साबित करने के लिए जल्दी कार्रवाई करनी होगी। ताकि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लगे कि हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है।''

प्रेस कॉन्फ्रेंस में पायलट ने ये बड़ी बातें कहीं

45 हजार करोड़ के घोटालों का मुद्दा उठाया था

पायलट ने जयपुर में अपने घर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई थी। उन्होंने कहा, 'वसुंधरा सरकार के वक्त विपक्ष में रहते हुए हमने 45 हजार करोड़ के घोटालों को लेकर आवाज उठाई थी और यह वादा किया था कि हमारी सरकार आएगी तो इन घोटालों पर निष्पक्ष तरीके से जांच करवाएंगे और दोषियों को सजा देंगे।'

गहलोत से आग्रह किया, चिट्ठी भी लिखी थी

वे बोले, ''मैंने कभी द्वेषपूर्ण कार्रवाई के लिए नहीं कहा, लेकिन विपक्ष के रूप में बनी हमारी विश्वसनीयता को बरकरार रखना होगा। मैंने सीएम गहलोत से आग्रह किया था। 28 मार्च 2022 को पहली चिट्ठी लिखी थी। उस पर कोई जवाब नहीं मिला। फिर दूसरी चिट्ठी लिखी। उसका भी जवाब नहीं आया। केंद्र सरकार पिछले कुछ समय से विपक्ष के लोगों को टारगेट कर रही है। ईडी ने जिन नेताओं को नोटिस दिया या छापे डाले उनमें से 95 फीसदी नेता विपक्ष के हैं।''

चुनाव में लोग हम पर यकीन करें, इसलिए एक्शन जरूर:

सचिन पायलट ने कहा, 'क्या कारण है कि बार-बार सत्ता में आने के बावजूद हम विपक्ष में रहते जो आरोप लगाते हैं, उन पर कोई कार्रवाई नहीं करते। हम दोबारा जब चुनाव में जाएंगे तो हमारी बात पर कोई यकीन करे इसलिए जरूरी है कि हम कोई एक्शन लें।

जांच नहीं होगी तो कैसे पता चलेगा दोषी कौन है

वे बोले, अशोक गहलोत और मैंने मिलकर आरोप लगाए थे, जब तक निष्पक्ष जांच नहीं हो तब तक कैसे पता लगेगा। जांच में अगर निकल कर आता है कि कोई दोषी नहीं था तो मान लेंगे कि गहलोतजी और मैं झूठे थे। जब तक कोई केस रजिस्टर्ड नहीं होगा, तब तक लोग कैसे मान लेंगे कि हमने जो आरोप लगाए थे, वह सही हैं या गलत।

पायलट के बयान के बाद जयराम रमेश ने की गहलोत की तारीफ

जयराम रमेश ने कहा, राजस्थान की कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बड़ी संख्या में योजनाओं को लागू किया है और कई ऐसी पहल की है, जिन्होंने लोगों को गहराई से प्रभावित किया है। इस वजह से नेतृत्व की स्थिति हमारी है। राजस्थान में पार्टी संगठन के समर्पण और दृढ़ संकल्प से ही राज्य में भारत जोड़ो यात्रा जबरदस्त रूप से सफल हुई थी। इस वर्ष के अंत में कांग्रेस इन ऐतिहासिक उपलब्धियों और हमारे संगठन के सामूहिक प्रयासों के दम पर लोगों के बीच जाकर फिर से सेवा करने के लिए जनादेश मांगेगी।

खाचरियावास बोले-पायलट ने गलत क्या बोला, सही मुद्दा उठाया है

खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने सचिन पायलट का समर्थन किया है। खाचरियावास ने कहा- पायलट ने क्या गलत कह दिया? सही मुद्दा उठाया है। बीजेपी के भ्रष्टाचार के खिलाफ उन्होंने जवाब मांगा है, सरकार को उनके उठाए मुद्दों का जवाब देना चाहिए। पायलट ने कोई आवाज उठाई है तो वह खुद की आवाज है। आवाज कहीं से आई है, हमें केंद्र वाले रास्ते पर नहीं जाना है, हमें आवाज को सुनना है। हमारे वरिष्ठ नेता ने बीजेपी के करप्शन के खिलाफ आवाज उठाई है तो उसका जवाब देना चाहिए। अब पायलट क्या बोले भी नहीं? मैंने पायलट के साथ जिलाध्यक्ष रहते हुए बीजेपी के करप्शन के खिलाफ आंदोलन किए थे। खाचरियावास ने कहा- पायलट आज ही मुझसे मिले थे। हम दोनों ने साथ लड़ाई लड़ी, उसके बाद ही सरकार बनी है। मेरी न पायलट से लड़ाई है, न अशोक गहलोत से। पार्टी के असेट ने सवाल खड़े किए हैं। वह गंभीर है, उसका जवाब मिलना चाहिए।

एक दिन का अनशन करेंगे पायलट

पायलट ने कहा- 'मैंने 28 मार्च 2022 और 2 नवम्बर 20220 को सीएम अशोक गहलोत को चिट्ठी लिखी थी। अब तक कोई एक्शन नहीं हुआ। 11 अप्रैल को प्रसिद्ध समाज सुधारक ज्योतिबा राव फुले की जयंती है, उसी दिन मैं शहीद स्मारक पर एक दिन का अनशन करूंगा। मैने जिला प्रशासन को इस बारे में सूचना दे दी है। जनता जनार्दन है।'

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने किये भगवान ऋषभदेव जैन मंदिर एवं ज्ञानमती माताजी के दर्शन

मुंबई. शाबाश इंडिया

रायगंज स्थित भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि दिगम्बर जैन बड़ी मूर्ति मंदिर में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे एवं उनके साथ पधारे मंत्रीमण्डल के अनेक मंत्रियों के साथ में भगवान ऋषभदेव की ३१ फुट उत्तुंग प्रतिमा के समक्ष श्रीफल चढ़ाकर दर्शन लिए एवं भगवान के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन करके की शांति की कामना। तदुपरांत जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी भारतगौरव गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी, प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी का श्रीफल चढ़ाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। संस्थान के अध्यक्ष पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी ने माननीय मुख्यमंत्री जी को साफा पहनाकर स्वागत किया एवं सम्मान पत्र प्रदान किया। महाराष्ट्र (नासिक) में निर्मित १०८ फुट भगवान ऋषभदेव की प्रतिमा का ग्रंथ माननीय मुख्यमंत्री जी को भेंट किया। ऋषभदेव विद्वत महासंघ के महामंत्री प्रतिष्ठाचार्य विजय कुमार जी शास्त्री हस्तिनापुर ने अवगत कराया कि जैन मंदिर समिति के मंत्री श्री विजय कुमार जी ने प्रतीक चिन्ह प्रदान किया एवं डॉ. जीवन प्रकाश जैन ने माननीय मुख्यमंत्री जी का माल्यार्पण करके स्वागत किया। महाराष्ट्र से पधारे चन्द्रशेखर कासलीवाल ने माननीय मुख्यमंत्री जी को अंग वस्त्र पहनाकर सम्मान किया। साथ में आये हुए समस्त मंत्रीमण्डल को अंग वस्त्र देकर समिति के द्वारा स्वागत किया गया। पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि महाराष्ट्र की सत्ता को कुशलता एवं धर्मनीति के साथ राजनीति को चलाते हुए सुख-शांति और

समृद्धि की स्थापना राज्य में करें, यही हमारा मंगल आशीर्वाद है। क्योंकि भगवान ऋषभदेव इस पृथ्वी पर प्रथम राजा थे, जिन्होंने प्रजा को राज्य संचालन एवं राज्य नीति का उपदेश सर्वप्रथम इसी भूमि से दिया है। भगवान ऋषभदेव समेत पाँच तीर्थंकरों की यह जन्मभूमि है। इसी क्रम में प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी ने भी मंगल आशीर्वाद प्रेषित किया। मुख्यमंत्री जी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि मैं प्रथम बार अयोध्या आया हूँ। मुझे भगवान ऋषभदेव के दर्शन प्राप्त हुए, मन में बहुत आल्हाद हुआ। इस भू पर आकर यहाँ के इतिहास को जाना एवं जैन साध्वी जी ने मांगीतुंगी में प्रतिमा का निर्माण किया। यह महाराष्ट्र के लिए एक गौरव है एवं समस्त तीर्थक्षेत्र कमेटी को शुभेच्छा प्रेषित करता हूँ।

जेएसजी जनक का शपथ समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजी जनक का शपथ ग्रहण समारोह गुलाबगढ़ जयपुर में आयोजित किया गया। समारोह में अध्यक्ष रश्मि - अनिल जैन को अध्यक्ष और मनोज -स्मिता जैन को सचिव पद की शपथ दिलवाई गयी। कार्यक्रम की शुरूआत प्रकाशचंद जैन बांसखो द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ की गयी। सभी कमेटी मेम्बर्स को नॉर्दन रीजन के सचिव सिद्दार्थ जैन एवं सह सचिव डॉ राजीव जैन ,एमडी सीकर डेयरी के द्वारा शपथ दिलायी गई। इसमें संरक्षक विमलेश राणा, नवीन जैन, राजेश काला एवं आमंत्रित पदाधिकारी एवं अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

महावीर इंटरनेशनल मॉडल टाउन शाखा, सूरत नई कार्यकारिणी का गठन

सूरत. शाबाश इंडिया

आज दिनाँक 9/4/23 रविवार , महावीर इंटरनेशनल (मॉडल टाउन) शाखा , सूरत के तत्वाधान में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें पूर्व कमेटी के अध्यक्ष, सचिव, उपाध्यक्ष , कैशियर इत्यादि सभी सदस्यों ने पूर्व किए गये कार्यों का ब्योरा प्रस्तुत किया, अध्यक्ष वीर भरत जी सिंघवी ने सभी का धन्यवाद किया , कैशियर वीर अशोक जी बोहरा ने गत वर्ष का लेखा जोखा सबके सामने रखा। पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में महावीर इंटरनेशनल अपेक्स के केंद्रीय कार्यकारिणी के इंटरनेशनल गवर्निंग काउंसिल के सदस्य वीर रमेश जी बोहरा ने अपने विचार सभी के समक्ष रखें। इसके बाद अध्यक्ष वीर भरत जी सिंघवी ने गत कार्यकारिणी समापन किया का एवं नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष पद पर वीर गणपत भंसाली, उपाध्यक्ष वीर नरेश धारिवाल, सचिव वीर हर्ष जैन (पिंटू धारिवाल), कोषाध्यक्ष वीर अशोक बोहरा एवं सह सचिव वीर पीयूष हालावाला, संगठन मंत्री वीर मदन मालू ,नयी कमेटी का गठन सभी की सर्व सहमति से किया गया। वीर गणपत भंसाली ने सुचारू रूप से सभा का संचालन किया।

ढिल्लों इंडिया का सम्मान समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजापार्क स्थित होटल रमाडा में ढिल्लों इंडिया परिवार के आभार नामक सम्मान समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत ढिल्लों इंडिया के सभी असोसिएट्स को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए उनके परिवार सहित सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरस डेयरी सीकर व झुंझुनूं में मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. राजीव जैन मौजूद रहे। जिन्होंने सभी कर्मचारियों का उनके अच्छे कार्य करने पर सराहना करते हुए उत्साहवर्धन किया। ढिल्लों इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर के. एस ढिल्लों ने संस्थान से जुड़े लोगों को नींव की ईंट बताते हुए कहा कि टीम ने पूरे साल बहुत ही अच्छा प्रदर्शन करके उन्हें गौरवान्वित किया है ।

श्री जाल वाले बालाजी के वार्षिक मेले में श्री राम नवयुवक मंडल ने भक्तों को वितरित की आइसक्रीम

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

किशनगढ़ रेनवाल । कस्बे के निकटवर्ती ग्राम भैंसलाना के श्री जाल वाले बालाजी मंदिर में गुरुवार को हनुमान जयंती के अवसर पर विशाल मेले का आयोजन हुआ। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल वार्षिक मेले का आयोजन किया गया। मेले में श्री राम नवयुवक मंडल के तत्वाधान में फ्री आइसक्रीम वितरित गई। इस अवसर पर हिमांशु शर्मा,बलराम जाखड़, अजय सोनगरा,हेमराज मीणा, हेमंत मीणा,कमल शर्मा, महेंद्र सैनी,मोहित मीणा, मुकेश सैनी, नवनीत शर्मा,राजकुमार सैनी, रोहित आलोरिया,श्याम सुंदर शर्मा, सुरेंद्र मीणा,सुरेश जाखड़, विकास सोनी,विमल शर्मा ,विश्वास दिक्षित,मुकेश जाखड़, नरेंद्र प्रजापत,कानाराम सैनी ,गिर्राज शर्मा,गौरी शंकर शर्मा,आयुष पाटनी आदि मौजूद रहे।

वेद ज्ञान

स्वयं को पहचानें...

मूल्यांकन करने की इच्छा मानव में निरंतर उपजती रहती है। सामने वाले को तत्काल प्रभाव में लेने की शीघ्रता समस्या बढ़ाती है। किसी से पलक झपकते ही सर्वस्व ज्ञात करने की कोई कला अभी तक ज्ञात नहीं है। जिसे जिस क्षेत्र का कोई ज्ञान नहीं रहता, वह उसी क्षेत्र का यक्ष प्रश्न करता है। परिश्रमी की भीड़ से अलग सफलता का सार्थक मानदंड खोजने वाले नियम परिवर्तन में विश्वास रखते हैं। कहीं पहुंचते ही व्यक्तित्व प्रभा कई हजार गुना दैदीप्यमान हो जाती है। समान योग्यता रखने वालों में किसी को सेवा का अवसर मिलने पर ऊंचाई का शिखर मिलते देर नहीं लगती। डूबते को तिनके का सहारा कम नहीं होता। तुलसीदास जी की भांति गुरु नरहरिदास की खोज करने में पूरा जीवन व्यतीत हो जाता है। वरदानदाता के लिए पैर पकड़कर पीछे खींचने वाले भस्मासुर बन जाते हैं। अपनी सीमा से अधिक कोई पचाना नहीं जानता। समय की आंच में तपकर निखरना सामान्य व्यक्ति के बस की बात नहीं है। पग-पग पर प्रतिकूलता से जूझने वाले लोहा लेते-लेते पारस पत्थर बन जाते हैं। कोयला अधिक ताप के दबाव में हीरा बनकर गौरवान्वित होता है। पद, धन के संसाधनों में उच्चता का शिखर चूमना सरल रहता है, मगर पद न पाने वाले जब पद वालों से आगे निकल जाते हैं तो खरगोश और कछुए की कथा चरितार्थ होती है। मझधार में लड़खड़ाते हुए व्यक्ति को बचाने वाले भगवान कहलाते हैं। संकट सहते-सहते सामान्य मनुष्य महापुरुष बन जाता है। प्रशंसा का प्रोत्साहन कृतज्ञता बढ़ाता है। कृतज्ञता योग्यता पहचानने का तत्व है। उगते सूर्य को सभी प्रणाम करते हैं, पर अस्ताचल में जाते सूर्य को छठ पर्व में ही अर्घ्य चढ़ता है। पद का संबंध योग्यता से है। योग्य के स्थान पर अयोग्य को पद थोपकर योग्यता बढ़ाई जाती है। पद को भगवान तुल्य बनाने के कारण निरंतर प्रशंसा और अयोग्यता अहंकार में वृद्धि करती है। प्रयास के बगैर प्राप्त फल अकर्मण्यता का पोषक है। अयोग्यता स्वयं से श्रेष्ठ को नकारती है। हाथी की पग-पग पर पूजा ही श्वान का दुख बढ़ाती है। दुर्जन सज्जनता को कायरता मानते हैं। सज्जन निश्छल परिश्रम में जीते हैं। प्रश्न पर अतार्किक प्रश्न करना मूर्खता का प्रतीक है।

संपादकीय

अभिव्यक्ति की आजादी पर फिर दी नसीहत

सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर अभिव्यक्ति की आजादी को रेखांकित करते हुए केंद्र सरकार को नसीहत दी है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हवाई दावों के जरिए मीडिया पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता। दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने करीब डेढ़ साल पहले एक मलयालम टीवी चैनल का नवीकरण यह कहते हुए रोक दिया था कि उसका संचालन राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से खतरनाक है। केरल उच्च न्यायालय ने भी केंद्र के उस फैसले को उचित ठहराया था। तब चैनल के प्रबंधकों ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष गुहार लगाई थी और उसने फैसला आने तक चैनल को अपना प्रसारण जारी रखने की इजाजत दे दी थी। अब उस मामले में फैसला सुनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी चैनल का नवीकरण न करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का हनन है। किसी चैनल या मीडिया संस्थान पर इसलिए रोक नहीं लगाई जा सकती कि वह सत्ता के विरोध में विचार प्रकाशित-प्रसारित करता है।

सरकार की आलोचना राज्य की आलोचना नहीं होती। सरकार की नीतियों के खिलाफ विचार प्रकट करना मीडिया का धर्म है और इसी से लोकतंत्र को मजबूती मिलती है। अगर सरकार इसलिए किसी चैनल पर प्रतिबंध लगा देती है कि वह उसके विरोध में विचार प्रकट करता है, तो इससे यह ध्वनित होता है कि सरकार केवल उन्हीं संचार माध्यमों को चलने देना चाहती है, जो उसके पक्ष में खबरें या वैचारिक सामग्री परोसते हैं। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने केरल उच्च न्यायालय को भी आड़े हाथों लिया और बंद लिफाफे में सरकार की तरफ से पेश किए गए साक्ष्यों पर एतराज जताया। गौरतलब है कि बंद लिफाफे में सुझाव या साक्ष्य पेश करने पर सर्वोच्च न्यायालय कई मौकों पर तल्ख टिप्पणी कर चुका है और उसकी स्पष्ट राय है कि कोई भी दस्तावेज गोपनीय तरीके से पेश नहीं किया जाना चाहिए, उसे सार्वजनिक रूप से लोगों के सामने आने देना चाहिए। फिर संबंधित चैनल पर यह भी आरोप था कि उसके मालिकों में से अधिकतर का संबंध जमात-ए-इस्लामी-हिंद से है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा कि इससे मीडिया के अधिकारों को बाधित नहीं किया जा सकता। स्वाभाविक ही, अदालत के इस फैसले से अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर एक और नजीर कायम हुई है। यह ठीक है कि मीडिया की आजादी का हमारे संविधान में उस तरह स्पष्ट उल्लेख नहीं है, जिस तरह अमेरिका आदि लोकतांत्रिक देशों में है, मगर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तहत मीडिया को यह अधिकार मिला हुआ है। इस तरह के अनेक फैसलों से मीडिया की स्वतंत्रता रेखांकित हुई है और उसे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में स्वीकृति प्राप्त है। मगर सरकारें अक्सर मीडिया की निष्पक्षता और सरकारी नीतियों, फैसलों के विरुद्ध मुखरता से असहज महसूस करती देखी जाती हैं। उन पर अंकुश लगाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाती रही हैं। ऐसे अखबारों और समाचार चैनलों के हिस्से का विज्ञापन रोकना सरकारों का आसान हथकंडा है, जो उसके खिलाफ लिखते-बोलते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

मजदूर

असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की जिंदगी अब भी किसी जुए से कम नहीं। दो वक्त की रोटी के लिए उन्हें न जाने कहां-कहां भटकना पड़ता है, फिर भी निश्चिंतता कहीं नहीं कि बदहाली से उन्हें मुक्ति मिलेगी ही। ओड़ीशा के कालाहांड़ी के तीन मजदूरों की कहानी इसकी ताजा कड़ी है। वे इस आस में बंगलुरु गए थे कि वहां मेहनत करके कुछ पैसे कमाएंगे और अपने परिवार का पेट भर पाएंगे। मगर उन्हें लौटना पड़ा खाली हाथ। जिस व्यक्ति ने उन्हें काम पर लगाया था, मजदूरी मांगने पर वह उन्हें मारता-पीटता था। दो महीने काम करने के बाद भी मजदूरी नहीं मिली और जिल्लत मिलती रही, तो उन्होंने घर वापसी का फैसला किया। हाथ में पैसे नहीं थे, खाने को कुछ था नहीं। वे बंगलुरु से खाली हाथ चल पड़े अपने गांव और सात दिन लगातार चलते हुए भूखे-प्यासे अपने घर पहुंचे। इन मजदूरों की कहानी इसलिए लोगों के सामने आ सकी कि वे पैदल चलते हुए घर पहुंचे। वरना इन जैसे न जाने कितने मजदूर ऐसे हैं, तो हाड़तोड़ मेहनत करने के बाद भी मजदूरी को हाथ पसारते-पसारते थक जाते हैं और जिल्लत उठाने को मजबूर होते हैं। इनकी सुनवाई कहीं नहीं होती। संगठित और सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की कमी और पढ़े-लिखे बेरोजगारों का आंकड़ा तो समय-समय पर सामने आता रहता है, मगर हमारे देश में लाखों ऐसे मजदूरों का कोई ठीक-ठीक हिसाब-किताब नहीं, जो असंगठित क्षेत्र में मजदूरी करते हैं। वे किसी ईंट भट्ठे पर, किसी बनती हुई इमारत में, कहीं सड़क पर मिट्टी ढोने वगैरह के काम तलाशते फिरते हैं। गांवों से बहुत सारे लोग इस उम्मीद में शहरों का रुख करते हैं कि वहां उन्हें गुजारे लायक काम मिल जाएगा। मगर वहां भी उन्हें कम दुश्वारियां नहीं झेलनी पड़तीं। शहरों के हर '**लेबर चौराहे**' पर सुबह-सुबह मजदूरों का हुजूम खड़ा होता है, मगर उनमें से कुछ को ही काम मिल पाता है। जो ठेकेदार उन्हें काम पर लगाते हैं, उनकी दबंगई ऐसी कि पैसा समय पर कभी नहीं देते, बल्कि मजदूरों का पैसा मारने की फिराक में अधिक रहते हैं। ऐसे ही ठेकेदार के शोषण का शिकार हुए कालाहांडी के ये तीनों मजदूर। ऐसे ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई का कोई व्यवस्थित तंत्र कहीं नहीं है, जहां मजदूर सीधे गुहार लगा सकें। वैसे भी गरीब अनपढ़ मजदूर पुलिस के सामने पड़ने से बचते हैं, वे शिकायत करने भला कहां जाते। मगर इससे भी दारुण कथा यह है कि इन मजदूरों को सरकारें कम नहीं छलतीं। कालाहांडी की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। मगर ओड़ीशा सरकार वहां के लोगों के लिए क्या करती है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वहां से लोगों को सैकड़ों मील दूर रोजगार की तलाश में भटकना पड़ता है। किसी परिवार को अपना नवजात शिशु बेच कर पेट भरने का इंतजाम करना पड़ता है। गरीब परिवारों को सौ दिन के रोजगार की संवैधानिक गारंटी दी गई है। मगर इसके लिए शुरू की गई मनरेगा योजना में पैसे की कमी और अनियमितता के बीच मजदूर पचास दिन का काम और पैसा भी पा जाएं तो वे खुद को खुशकिस्मत समझते हैं। अगर इन श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर ही गुजारे लायक काम मिल जाता, तो उन्हें इस कदर दर-दर तो न भटकना पड़ता। ओड़ीशा सरकार के पास शायद ही इस सवाल का जवाब हो कि क्यों वहां के लोगों को ऐसी जिल्लत उठानी पड़ती है।

जैन इंजीनियर सोसायटी जयपुर चैप्टर नॉर्थ का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन इंजीनियर सोसायटी जयपुर चैप्टर नॉर्थ का शपथ ग्रहण समारोह दिनांक 9 अप्रैल 2023 को होटल ग्रैंड सफारी में संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि सांसद रामचरण वोहरा तथा अध्यक्षता इंजीनियर अशोक जैन रिटायर्ड IAS पूर्व चीफ सेक्रेटरी, नवीन जैन सेक्रेटरी पंचायती राज ने की। इस अवसर पर सीनियर एडवोकेट डॉक्टर पी सी जैन व जैन इंजीनियर सोसायटी नॉर्थ जोन के चेयरमैन इंजीनियर राजेंद्र लुहाडिया भी उपस्थित रहे। जैन इंजीनियर सोसाइटी जयपुर चैप्टर (नॉर्थ) वर्ष 2023-2025 के लिए इंजीनियर आर के जैन को अध्यक्ष व इंजीनियर कर्नल एम के जैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष, इंजीनियर दीपक जैन उपाध्यक्ष इंजीनियर पवन पाटनी सचिव, इंजीनियर अजीत जैन को कोषाध्यक्ष, इंजीनियर विनोद जैन को संयुक्त सचिव पद की शपथ दिलाई गई। साथ ही अन्य पदाधिकारी एवं एग्जीक्यूटिव कमेटी के सदस्यों को भी शपथ दिलाई गई! इस अवसर पर फाउंडर प्रेसिडेंट इंजीनियर अखिलेश जैन व पूर्व अध्यक्ष इंजीनियर अनिल शाह व अन्य गणमान्यजन सदस्य भी उपस्थित रहे ! वह पूर्व संयोजको तथा अपने कार्य क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले इंजीनियरस को भी उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिसमें इंजीनियर विकास जैन एमडी आइसोलेशन एनर्जी व इंजीनियर विनोद जैन तिजारिया व अन्य को भी सम्मानित किया गया।

प्रकृति ने शरीर को दोड़ने के लिए बनाया, दोड़ें और खूब दोड़ें

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रकृति ने शरीर को दोड़ने लिए बनाया है, दोड़ें और खूब दोड़ें लेकिन दस से पन्द्रह प्रतिशत से ज्यादा अपने आपको इम्प्रूव ना करें। गर्मी के मोसम में अपने साथ हमेशा हाइड्रेशन साथ रखे और उसमे नमक जरुर हो , जिम में रनिंग करने से अच्छा है पार्क में दोड़े ,ग्रुप के साथ दोड़े , रन से पहले और बाद में स्ट्रेचिंग जरूर करें। एक सही रनिग पोस्चर आपको ज्यादा दूर तक ले जायेगा और आप फिट बने रहेंगे .जयपुर रनर्स क्लब के को फाउंडर मुकेश मिश्रा और रवि गोयनका ने ये फिटनेस टिप्स देते हुए जयपुर रनर्स क्लब के मंथली रन जो की अलादीन ग्रुप के सहयोग के साथ आयोजित हुआ को आज फ्लेग ऑफ किया। जयपुर रनर्स क्लब के कार्यकारी अध्यक्ष दीपक शर्मा और उपाध्यक्ष प्रवीण तिजारिया ने बताया की आज सुबह राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर जमा हुए जयपुर रनर्स क्लब के मंथली संडे लॉन्ग रन में रनर्स खूब जम कर दोड़े और 21 , 10,5 किलोमीटर की दोड लगाई और जयपुर रनर्स मंथली संडे लॉन्ग रन का हिस्सा बनें, रन के बाद सभी रनर्स ने मिलबर्ग रेस्टोरेंट में रिकवरी

ब्रेकफास्ट किया। इस अवसर पर जयपुर रनर्स क्लब के डायरेक्टर रवि गोयनका ने बताया की हर माह में रविवार को जयपुर रनर्स का मंथली संडे लॉन्ग रन रखा जायेगा जिसमे जयपुर के अलग अलग हिस्सों में दोड रहे रनर्स एक साथ लॉन्ग रन का हिस्सा बनेगे और जयपुर में रनिंग को प्रमोट करेंगे। रन के बाद जयपुर रनर महेश दिवेदी जो की बोस्टन मैराथन में रन करने जा रहे है को बेस्ट ऑफ लक विश किया और रन को सफलता पूर्वक करने के लिए क्लब की टी शर्ट गुड लक के लिए भेट की , इस अवसर पर महेश ने अपनी रनिंग जरनी शेयर की और ग्रुप रनिग को ट्रेनिंग का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। जयपुर रनर्स क्लब के डायरेक्टर विष्णु टाँक, रचना विजय, सुधा खंडेलवाल, नरेंद्र कुशवाह, नीतिका चौधरी, नमित शर्मा सहित बड़ी संख्या में रनर्स मोजूद रहे।

10 अप्रेल–हैनीमैन जयन्ती पर विशेष

शाबाश इंडिया

10 अप्रैल 1755 का दिन जिस दिन पृथ्वी पर सेमुअल हैनीमैन का जन्म जर्मनी में हुआ। ये बाद में ऐलोपैथ बने लेकिन इन्हें इन दवाईयों के दुष्प्रभाव से बहुत पीड़ा होती थी और इस कारण इन्होंने होम्योपैथिक दवाईयों का आविष्कार किया। आज विश्व में होम्योपैथी का काफी प्रचार हो चुका है, विशेषकर भारत में आज होम्योपैथी चरम पर है। शिक्षा की दृष्टि से आज विश्व का पहला होम्योपैथिक विश्वविद्यालय जयपुर स्थित सायपुरा सांगानेर में करीब 15 वर्ष पूर्व बन चुका है, जिसका श्रेय डां गिरेन्द्र पाल को जाता है ,जिन्होंने अपना सारा जीवन होम्योपैथिक के लिए समर्पित कर दिया। लेखक इसी विश्वविद्यालय के कालेज के प्रथम बैच के विद्यार्थी रहे हैं,तथा ईसी विश्वविद्यालय के 9वर्ष तक शैक्षणिक सदस्य रहे हैं। होम्योपैथी में णमोकार व भक्तामर का चमत्कार मेरा यंहा होम्योपैथी में णमोकार व भक्तामर के चमत्कार के बारे में बताना है। पिछले 45वर्ष से मैं इस चमत्कार को देख रहा हूं।आज कोई भी मरीज मेरे पास आता है तो मैं उसके सारे हाल पूछने के बाद दवा तैयार करने से पूर्व णमोकार व भक्तामर के 45वें काव्य का पाठ करके दवा बनाता हूं व मरीज को देता हूं व ऐसे सैंकडों मरीजों को ठीक किया है,जो असाध्य थे व सभी तरह से मायूस हो चुके थे।मैंने किसी दवा का ईजाद नहीं किया,किन्तु णमोकार व भक्तामर के पाठ से वे विशिष्ठ दवा बन जाती है। कुछ अजूबा देखिये।

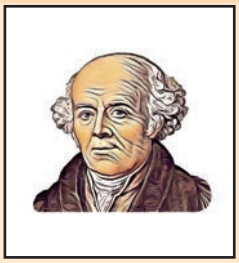

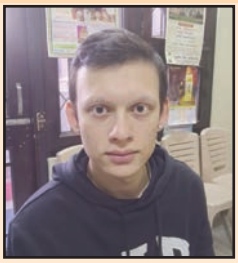

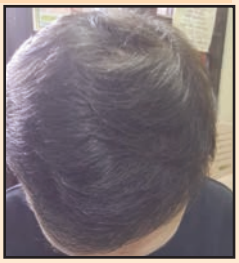

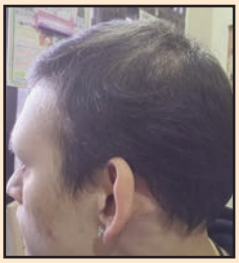

केस 1 : ऐक विद्यार्थी जिसके बाडी के पूरे बाल सिर सहित उड गये थे वे होम्योपैथिक दवा व णमोकार तथा भक्तामर के पाठ के प्रयोग से पूरे बाल आ गये हैं,फोटोज देखें।
केस 2: एक बच्ची जो जनाना अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार आधा घंटे बाद मरने वाली थी,इसी प्रयोग के माध्यम से आज वह 17वर्ष की हो चुकी है।
केस 3: एक मरीज जिसके शरीर पर करीब 500से ऊपर मस्सा थे,मैंने दो माह दवा दी कोई फायदा नहीं हुआ। उसी दोरान मेरा श्रवणबेलगोला जाना हुआ तथा वंहा मूर्ती के आगे णमोकार व भक्तामर का पाठ किया और जयपुर आने पर चमत्कार देखा कि उसके शरीर से सारे मस्से जाते रहे।
केस 4: कतर(विदेश) में कोविड से परेशान मरीज को इसी फार्मूले से ठीक किया।
केस 5: सवा साल का बच्चा जो पिछले 9 माह से दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में पोटी में खून जाने के कारण भर्ती था,इस फामूर्ले की दवा से फायदा हुआ व कल पूरा परिवार जयपुर मेरे से मिलने दिल्ली से आया,व इस आश्चर्य का कारण पूछा। मैंने उन्हें णमोकार व भक्तामर के साथ होम्योपैथिक दवा का कमाल दिखाया,जबकि वे दिल्ली में भी दवा ले चुके थे। मैंने कुछ केस आपके सामने रखे,होम्योपैथिक दवा कौ विश्वास के साथ लें व महात्मा हैनिमैन को याद करें जिन्होंने यह पैनी हमारे लिए हार्मलैस बनाई है।आज उनकी जयन्ती हम मना रहें हैं।

पांच शहीदों सहित कुल इक्कीस को मिला उदयपुर रत्न सम्मान

राजस्थान संस्कृति एवम साहित्य संस्थान का तीसरा संस्करण संपन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया

यूं तो पर्यटन और झीलों की नगरी में प्रतिवर्ष अनेक संस्था, सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संगठन सहित मीडिया समूह द्वारा सैकड़ों प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाता है, जिन्होंने क्षेत्र विशेष में किसी खास क्षमता अथवा उपलब्धि के बूते शहर/ राज्य/ देश-दुनिया में नाम कमाया है। लेकिन बहुतेरी कोशिश के बाद बहुत कम कार्यक्रम ईमानदार प्रयास से सार्थक भागीदारी सुनिश्चित कर पाते हैं। सौ में से नब्बे फीसदी कार्यक्रम और आयोजकों की मानसिकता उन आयोजनों से सस्ती लोकप्रियता हासिल करना, अपनी पहचान बनाना या फिर अखबार की सुर्खियां बटोरना ही होता है। सच पूछा जाए तो ऐसा करके वे अपने लक्ष्य से दूर होते हैं। इन सबसे इतर दस पांच कार्यक्रम ऐसे देखने में आते हैं जिनका साक्षी बनकर मन को सुकून मिलता है। लगता है वाकई वे सच्चे मन से औरों को मान देने के प्रयोजन से ही तन मन धन अर्पित करते हैं। राजस्थान संस्कृति एवम साहित्य संस्थान द्वारा आयोजित ऐसे ही एक कार्यक्रम में शामिल होने का सुअवसर को मिला। मौका था सुखाडिया विश्व विद्यालय अतिथि सभागार में शनिवार शाम उदयपुर रत्न सम्मान समारोह की तीसरी कड़ी के सफल और प्रभावपूर्ण आयोजन का। जिसमें मेजर अनुज सूद (चंडीगढ़) कैप्टन अनुज नैय्यर और लेफ्टिनेंट किरण शेखावत (दिल्ली) मेजर मुस्तफा (उदयपुर) रामकिशोर पांडे (लखनऊ) सहित कुल पांच शहीदों को मरणोपरांत सम्मानित किया। जिस पल उनके परिजनों को खचाखच भरे सभागार में खड़े होकर गरिमापूर्ण सम्मान प्रदान किया गया, उस दौरान हर आंख नम थीं लेकिन मन में शहीदों और वीर परिवारों के प्रति आदर भाव की चमक भी थीं। इन सबको मिला उदयपुर रत्न सम्मान सर्वश्री हीरालाल सुहालका (शतायु स्वतंत्रता सेनानी) लाड लोहार (वुमन वेलफेयर) नीरज सनाढ्य (साहित्य) भुवनेश्वर श्रीमाली (यंग अचीवर) दिग्विजय सिंह (यंग अचीवर) मनन जैन (उम्र 12 वर्ष यंग अचीवर) चंद्रप्रकाश चित्तौड़ा (सूक्ष्म पुस्तिका कलाकार) डॉ. निर्मल यादव (प्रतिभाशाली युवा चित्रकार) चमन सिंह (वाइल्ड एनिमल रेस्क्यू) डॉ. अंजू बेनीवाल (शिक्षा) डॉ. नीता परिहार (इंटीरियर डिजाइनर) चारूलता पालीवाल (नाथद्वारा - वुमन वेलफेयर) डॉ. नीता त्रिवेदी (शिक्षा) नितिन मेहता (सीए यंग अचीवर) सुनील लड्ढा (आर्किटेक्चर) विश्व मेहता (यंग अचीवर) इस खास मौके पर

मुख्य अतिथि डॉ. लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी (महामंडलेश्वर किन्नर अखाड़ा) और पवित्रानंद गिरी (महामंडलेश्वर उज्जैन किन्नर अखाड़ा) विशिष्ठ अतिथि सौरभ पालीवाल, प्रो. अल्पना सिंह उपस्थित थे। अध्यक्षता आकाशवाणी के कार्यक्रम प्रमुख महेंद्रसिंह लालस ने की। इनके अलावा नेहा पालीवाल, चेतन श्रीमाली, डॉ. श्वेता शर्मा, शानू लोढ़ा की भी भागीदारी रही। संस्थापक अध्यक्ष रोहित बंसल ने बताया कि प्रति वर्ष आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज और आसपास क्षेत्र से ऐसी प्रतिभाओं को चुनकर सम्मानित करना है जो या तो गुमनामियों के अंधेरों में खोई है या जिनको अपनी पहचान बनाने का कभी कोई मंच नहीं मिलता। इतना ही नहीं, इसका दूसरा पहलू यह भी है कि ऐसी सम्मानित शख्सियतों से औरों को भी प्रेरणा मिले। कार्यक्रम संचालन शालिनी भटनागर और भावना व्यास ने किया। सचिव मधु औदिच्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

रिपोर्ट: राकेश शर्मा 'राजदीप'
फोटो: राकेश सेन

खाना खाते समय ऊपर से हरी मिर्च का हमेशा सेवन स्वास्थ्य के लिए कितना फायदेमंद या नुकसानदायी हो सकता है?

शाबाश इंडिया

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

मिर्च को आयुर्वेद में कुमऋचा के नाम से भी जाना जाता है। गुणों में लाल मिर्च और हरी मिर्च में कोई अंतर नहीं होता। आयुर्वेदिक मतानुसार लालमिर्च अग्निदीपक, दाहजनक, कफनाशक तथा अजीर्ण, विषूचिका, दारुणवृण, तंद्रा, मोह, प्रलाप, स्वरभेद और अरुचि को दूर करने वाली होती है। आत्रेयसंहिता के अनुसार, ''जिसकी देखने की, सुनने की ओर बोलने की शक्ति नष्ट हो गई हो, जिसकी नाड़ी भी डूब गई हो ऐसे सन्निपात के रोगी को मृत्यु के मुख में से छुड़ा कर मिर्ची जीवन दान देती है।'' हैजा में मिर्च के चूर्ण का आश्चर्यजनक लाभ लगभग सभी लोगों को पता है। दाढ़ के दर्द में मिर्ची का तेल उत्तम काम करता है। मिर्ची अफरा को भी नष्ट करती है। देशी चिकित्सक टायफस ज्वर, पार्यायिक ज्वर, जलोदर, गठिया, अजीर्ण और हैजे में इसका उपयोग करते हैं। यूनानी मत के अनुसार मिर्ची कड़वी, चरपरी, कफ निस्सारक, मस्तिष्क की शिकायतों को दूर करने वाली, स्नायविक वेदना में लाभदायक, पित्त को बढ़ाने वाली और गुदा स्थान सें जलन करने वाली होती है। अर्थात मिर्च के तीखेपन से मिर्च के नुकसान तय होते हैं जैसे कश्मीरी मिर्च कम तिक्त होती है इसलिए ज्यादा खाई जा सकती है वहीं कुछ अधिक ही तिक्त किश्मों को ज्यादा खाने से उपरोक्त नुकसान अधिक/जल्दी हो सकते हैं।

सवाल पूछने के लिए बहुत बहुत आभार और उत्तर पढ़ने के लिए धन्यवाद! स्वस्थ और निरोगी जीवन की शुभकामनाओं के साथ।

5 सरकारी स्कूलों में लेक्चर स्टैंड किए भेंट

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

स्वर्गीय जैसराज जी एवं उनकी धर्मपत्नी स्वर्गीय फूला देवी सोगानी की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्र एवं पुत्रवधू महावीर प्रसाद अनिला देवी सुपौत्र,पौत्रवधू अजित कुमार रश्मि देवी व पड़ पौत्र मानव,तीर्थ सोगानी सुजानगढ़ निवासी बंगाईगांव प्रवासी के सौजन्य से सुजलांचल विकास मंच समिति सुजानगढ़ के तत्वावधान में आज पांड्या धर्मशाला में लेक्चर स्टैंड भेंट कार्यक्रम रखा गया। समिति के उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी ने जानकारी देते हुए बताया कि दिगम्बर जैन समाज के उपाध्यक्ष लालचंद बगड़ा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में राजकीय पी. सी.बी उच्च माध्यमिक विद्यालय,राजकीय भीवसरिया बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय,राजकीय भराडिया बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, भूरमल मिश्र राजकीय बालिका विद्यालय, महात्मा गांधी सरकारी विद्यालय गांधी बस्ती को लेक्चर स्टेंड भेट किए गए। दिलीप कुमार सोगानी कोलकाता प्रवासी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में सचिव विनीत बगड़ा, कोषाध्यक्ष महक पाटनी,मंजू देवी बाकलीवाल मौजूद थे। समिति की अध्यक्ष पार्षद श्रीमती उषा देवी बगड़ा ने समिति द्वारा चलाए जा रहे जन सेवा प्रकल्प की जानकारी देते हुए बताया इससे पूर्व में भी आधा दर्जन विद्यालयों को लेक्चर स्टेंड भेट किए थे व आगामी गर्मी के मौसम में भामाशाह के सहयोग से राजकीय बगड़िया हॉस्पिटल व मातृ शिशु कल्याण केन्द्र में पेयजल की व्यवस्था की जाएगी।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा...

शिक्षित समाज में बालिका शिक्षा अहम कड़ी

जयपुर. कासं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री टीकाराम जूली ने कहा कि शिक्षित समाज में बालिका शिक्षा का विशेष महत्व है, इसको दृष्टिगत रखते हुए राज्य सरकार ने बालिकाओ की शिक्षा को निःशुल्क करने के साथ अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मंत्री जूली रविवार को अलवर के वैशाली नगर विस्तार योजना में मेघवाल बालिका छात्रावास के मुख्य भवन का शिलान्यास कर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षित बेटी विकसित राष्ट्र की पहचान होती है। अवसर मिलने पर बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस छात्रावास में दूरदराज ग्रामीण परिवेश की बेटियों को उच्च अध्ययन करने हेतु आवास उपलब्ध होगा जो उनके सपनों को साकार करने में मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि मेघवाल समाज का यह कदम सराहनीय है। साथ ही उन्होंने कहा कि मेघवाल समाज में बेटियों का लिंगानुपात बहुत ही अच्छा है जो बेटी बचाओ बेटी पढाओ के उद्देश्य को सार्थक करता है। उन्होंने छात्रावास निर्माण में 25 लाख रुपए का सहयोग कराने का विश्वास दिलाया। मंत्री जूली ने राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि जागरूक रहकर योजनाओं का लाभ उठाएं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com